ये अव्यक्त इशारे

रुहानी रॉयल्टी और प्युरिटी की पर्सनैलिटी धारण करो

28-05-2025

आप सबकी पहली प्रवृत्ति है अपनी देह की प्रवृत्ति, फिर है देह के सम्बन्ध की प्रवृत्ति। तो पहली प्रवृत्ति -देह की हर कर्मेन्द्रिय को पवित्र बनाना है। जब तक देह की प्रवृत्ति को पवित्र नहीं बनाया है तब तक देह के सम्बन्ध की प्रवृत्ति चाहे हद की हो, चाहे बेहद की हो, उसको भी पवित्र नहीं बना सकेंगे। तो पहले अपने आपसे पूछो कि अपने शरीर रूपी घर को संकल्पों को, बुद्धि को, नयनों को और मुख को रुहानी पवित्र बनाया है? ऐसी पवित्र आत्मायें ही महान हैं।

Adopt the personality of spiritual royalty and purity.

The first household of each of you is the household of your body. Then, there is the household of your bodily relations. So, you first have to purify the household of your body, your physical organs. Until you purify the household of your body, you will not be able to purify the household of your bodily relations, whether limited or unlimited. So, first of all, ask yourself whether you have made the household of your body; your thoughts, intellect, eyes and lips; spiritual and pure. Only such pure souls are great souls.